शिव डमरू वाले का दरबार निराला है ॥

शिव डमरू वाले का दरबार निराला हैं।
ऊँचे पर्वत धुनि रमा कर रहने वाला हैं।।
इसे चढ़ाये गंगा जल वो किस्मत वाला हैं।। हो हो हो।।
शिव डमरू वाले का----

कोई सोमनाथ है कहता हां कहता।
कोई बैधनाथ कोई अमरनाथ हैं कहता।।
हो एक लिंग शिव निराकार कहलाने वाला हैं।।
इसे चढ़ाये गंगा जल ---
शिव डमरू वाले का ---

जब भी कोई संकट आये हां आये।
व्याकुल होकर मन तेरा घबराये।।
हो ॐ नमः शिवाय मंत्र दुःख हरने वाला हैं।

इसे चढ़ाये गंगा जल ---
शिव डमरू वाले का ---

जब नजर मेहर की डाले हां डाले।
भक्तो के वो कर देता व्यारे न्यारे।।
भोला बाबा सदा ही भक्तो का रखवाला हैं।।

इसे चढ़ाये गंगा जल ---
शिव डमरू वाले का ---

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2468/title/shiv-damru-vale-ka-darbar-nirala-hai-uche-parvat-dhuni-rama-kar-rehne-vala-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |